मैन्ग्रोव तंत्र की कीमत

मैन्ग्रोव वह इकोसिस्टम है जो समुद्र तटों पर फलता-फूलता है। इसकी एक विशेषता वे वनस्पतियां हैं जो समुद्र के ज्वार वाले क्षेत्र में रहती हैं। यह क्षेत्र आधे समय जलमग्न रहता है और आधे समय खुला। इसके चलते यह इकोसिस्टम कुछ खास गुणधर्मों से लैस होता है। मगर प्राकृतिक संतुलन में इस तंत्र के महत्व को बहुत कम पहचाना गया है। अब स्क्रिप्स इंस्टीट्यूट ऑफ ओशिएनोग्राफी, कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने कैलीफोर्निया की खाड़ी और बाजा कैलीफोर्निया के तट पर मैन्ग्रोव का अध्ययन करके उनके आर्थिक मूल्य का अंदाज़ लगाने की कोशिश की है। ओक्टेवियो अबुर्टो ओरोपेज़ा के नेतृत्व में इस दल ने 13 मैन्ग्रोव क्षेत्रों का अध्ययन किया।

उन्होंने देखा कि ये 13 तटवर्ती क्षेत्र मत्स्याखेट के प्रमुख क्षेत्र हैं। यहां मत्स्याखेट का क्षेत्र मूलतः मैन्ग्रोव युक्त समुद्र की 5-10 मीटर चौड़ी पट्टी है। इस पट्टी में ज्वार का पानी भरता है और यहां लाल मैन्ग्रोव वृक्ष (*राइज़ोफोरा मैंगल*) होते हैं। यह पट्टी कई मत्स्य प्रजातियों के लिए नर्सरी और भोजन का स्रोत है।

अध्ययन के आधार पर दल का अनुमान है कि प्रति वर्ष इन इलाकों से 10,500 टन मछली का उत्पादन होता है। मतलब इन 13 क्षेत्रों में मछली उत्पादन का मूल्य 1.9 करोड़ डॉलर के लगभग है। छोटे पैमाने के मत्स्याखेट में पकड़ी जाने वाली अधिकांश मछलियां वे हैं जो अपने प्राकृत वास के लिए मैन्ग्रोव क्षेत्र पर निर्भर हैं। यह इस मैन्ग्रोव का एक और आर्थिक योगदान है। यदि मैन्ग्रोव न हो, तो मत्स्याखेट कहीं कम होगा या उसकी लागत कहीं ज़्यादा हो जाएगी।

किसी वजह से कई देशों की सरकारें मैन्ग्रोव के संरक्षण के प्रति कदापि गंभीर नहीं हैं। खास तौर से पर्यटन विकास के नाम पर मैन्ग्रोव वाली ज़मीनें सस्ते दामों पर बेची जा रही हैं। जैसे मेक्सिको सरकार ने ये ज़मीनें 1000 डॉलर प्रति हैक्टर के भाव से बेची हैं जबकि इन्हीं मैन्ग्रोव से प्राप्त उत्पादन का सालाना मूल्य 37,000 डॉलर से अधिक है।

उपरोक्त अध्ययन ने मैन्ग्रोव के आर्थिक पक्ष को उभारकर एक महत्वपूर्ण काम किया है। 1973 से 1981 के बीच बाजा कैलीफोर्निया के 23 प्रतिशत मैन्ग्रोव नष्ट हुए हैं। हालांकि मेक्सिको सरकार ने इस अध्ययन के नतीजों पर कोई टिप्पणी नहीं दी है मगर पिछले वर्ष सरकार ने एक कानून पारित किया है ताकि मैन्ग्रोव को और विनाश से बचाया जा सके। दूसरी ओर, विकास उद्योग कोशिश कर रहा है, सरकार पर दबाव बना रहा है कि इस तरह के संरक्षण समाप्त कर दिए जाएं। उक्त अध्ययन के प्रकाश में स्पष्ट है कि जहां पर्यटन उद्योग इस भूमि का उपयोग करके निजी मुनाफा कमाएगा वहीं यह इकोसिस्टम हज़ारों लोगों को जीविका के साधन दे सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***